सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–499
03/07/2017

मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पटना, 03 जुलाई 2017 :– 1,अण्णे मार्ग स्थित लोक संवाद सभा कक्ष में आज मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, भवन निर्माण, ऊर्जा, ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, नगर विकास एवं आवास, पंचायती राज, जल संसाधन, लघु जल संसाधन, उद्योग, गन्ना उद्योग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी, सूचना प्रावैधिकी एवं पर्यटन विभाग से संबंधित मामलों पर छह लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को अपना सुझाव दिया गया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में औरंगाबाद से श्री आस्तिक शर्मा, बख्तियारपुर से श्री दिनेश प्रसाद सिंह, पटना से श्री रंजीत कुमार, बक्सर से श्री विशाल कुमार ठाकुर, भागलपुर से श्री दीपक कुमार झा ने अपने–अपने सुझाव एवं राय मुख्यमंत्री को दिये। प्राप्त सुझाव एवं राय पर संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया। लोगों से प्राप्त सुझाव एवं राय पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, ऊर्जा मंत्री श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री महेश्वर हजारी, पंचायती राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, गन्ना उद्योग मंत्री श्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री कृष्ण नंदन प्रसाद वर्मा, पर्यटन मंत्री श्रीमती अनीता देवी, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव मंत्रिमंडल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव उपस्थित थे।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के पश्चात् मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा कॉग्रेस नेता श्री गुलाम नबी आजाद के वक्तव्य के संबंध में पूछे गये प्रश्न का जवाब देते हुये कहा कि इस संदर्भ में मैंने सभी कुछ पहले ही बता दिया है। आजाद साहब के बयान पर जदयू को जो कहना था वह कह दिया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिये साझा कार्यक्रम को लागू करना हमारी प्राथमिकता है। सभी को अपनी मर्यादा का पालन करना चाहिये। मैं प्रेस की आजादी का पक्षधर हूॅ। पार्टी के आंतरिक बैठक में पार्टी अपने कार्यक्रम पर विचार–विमर्श करती है।

विपक्ष के प्रधानमंत्री के चेहरा के संबंध में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं विपक्ष का चेहरा नहीं हूॅ। विपक्ष को अपना वैकल्पिक एजेंडा तय करना चाहिये। वैकल्पिक एजेंडा के आधार पर एकता और गोलबंदी होनी चाहिये, तभी वह प्रभावी होगा। सिर्फ चेहरा प्रभावी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कॉग्रेस नेता श्री पी0 चिदंबरम के किताब विमोचन के कार्यक्रम में मैंने कहा था कि विपक्ष को अपना एजेंडा तय कर लेना चाहिये। विपक्ष के मजबूती के लिये यह जरूरी है कि हम अपना एजेंडा तय करें और उसपर काम करें, साथ ही विपक्ष के दायित्वों का भी पालन करें। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक एजेंडा सभी विपक्षी पार्टियों को

मिलकर तय करना चाहिये। वैकल्पिक एजेंडा के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किस प्रकार देश को आगे ले जाना चाहते हैं यह तय होना चाहिये। हर मुद्दों पर हमें अपनी बात रखनी चाहिये। उन्होंने कहा कि पी0 चिदंबरम साहब की किताब के विमोचन कार्यक्रम में भी हमने कहा था कि कॉग्रेस बड़ी पार्टी है, कॉग्रेस को अन्य पार्टियों को बुलाकर वैकल्पिक एजेंडा तैयार करना चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसान का मुद्दा बैकग्राउंड में चला गया है। आज राष्ट्रपति चुनाव को इस तरह हाईलाइट किया गया है कि सारे मुद्दे बैकग्राउंड में चले गये हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जो वादे किये गये थे उसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरा यह स्पष्ट मत है कि आज देश में वैकल्पिक नरेटिव की जरूरत है। सिर्फ एकता की बातें करने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन सिर्फ विपक्षी एकता नहीं थी, हमारा एक एजेंडा था साथ ही हमारे पहले के किये गये काम थे, जिसे लेकर हम लोगों के पास गये और सफल हुये। उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन में स्पष्ट एकता के साथ–साथ भविष्य के लिये एजेंडा था जो कि एन0डी0ए0 में नहीं था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सिर्फ गठबंधन बनाने से नहीं होगा अल्टरनेटिव एजेंडा के साथ लोगों के बीच जाना चाहिये।

जी0एस0टी0 के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जी0एस0टी0 पर बुलाई गयी बैठक में जाने ना जाने का प्रश्न ही नहीं आता है, क्योंकि बैठक के लिये कोई आमंत्रण नहीं था। उन्होंने कहा कि जी0एस0टी0 पर अनेक वर्षों से काम चल रहा था, जब हम एन0डी0ए0 में भी थे तबभी हम जी0एस0टी0 के हिमायती थे। उस वक्त बिहार के तत्कालीन वित्त मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी को इम्पॉवर कमिटी का चेयरमैन भी बनाया गया था। हम शुरू से जी0एस0टी0 के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि जी0एस0टी0 से व्यापार और कर में पारदर्शिता आयेगी, गलत कारोबार पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि जी0एस0टी0 के लागू होने से शुरूआती तौर पर कठिनाई तो आ सकती है। हम चाहते हैं कि यह प्रभावी हो। उन्होंने कहा कि कर के मामले में यह एक रिफॉर्म है। बिहार में जी0एस0टी0 के संबंध में उन्मुखीकरण का कार्य किया गया है ताकि व्यापरियों एवं अधिकारियों को इसका अनुपालन करने में सुविधा हो।

एसिड अटैक पीड़िता के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास अभी तक कोई चिट्ठी नहीं आयी है। पी0टी0आई0 में आये समाचार के माध्यम से जानकारी मिली, प्राप्त जानकारी पर हमने तत्काल कार्रवाई करने हेतु पटना आयुक्त को निर्देश दिया है। पीड़ित परिवार को पूरी मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि एसिड अटैक में पीड़ित के इलाज, कानूनी कार्रवाई, सहायता देने के संबंध में हमारी पहले से नीति बनी हुयी है। हमने पटना आयुक्त को सभी पहलुओं को जॉच करने का निर्देश दिया है।

******